लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 68

14 सितंबर, 2020 को उत्तर के लिए

इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत कौशल प्रशिक्षण केन्द्र

68. श्री रामदास तडसः

क्या इस्पात मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार ने देश भर में इस्पात मंत्रालय के तहत कौशल प्रशिक्षण प्रदान करने का कोई निर्णय लिया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) पिछले दो वर्षों के दौरान उक्त केंद्रों द्वारा प्रशिक्षित किए गए बेरोजगारों की संख्या कितनी है;

(ग) क्या मंत्रालय द्वारा महाराष्ट्र में भी यह प्रशिक्षण दिया जा रहा है;

(घ) यदि हां, तो प्रशिक्षण केंद्र स्थापित करने के लिए अनुमोदित संस्थाओं के नाम क्या हैं; और

(ङ) यदि नहीं, तो क्या भविष्य में वहां उक्त केंद्र स्थापित होने की संभावना है?

उत्तर

इस्पात मंत्री **(श्री धर्मेंद्र प्रधान)**

(क): द्वितीयक इस्पात क्षेत्र में कार्यरत श्रमशक्ति को तकनीकी प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए तीन प्रशिक्षण संस्थान कार्य कर रहे हैं, यथा- राष्ट्रीय द्वितीयक इस्पात प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईएसएसटी) (कोलकाता तथा नागपुर में क्षेत्रीय केन्द्रों के साथ मंडी गोविंदगढ़ में मुख्यालय); कोलकाता में इस्पात विकास एवं वृद्धि संस्थान (आईएनएसडीएजी) तथा पुरी में बीजू पटनायक राष्ट्रीय इस्पात संस्थान (बीपीएनएसआई)। इसके अलावा, इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत अलग-अलग सीपीएसई भी अपने कर्मचारियों तथा प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण प्रदान करते हैं।

(ख): वर्ष 2019-20 के दौरान इन संस्थानों तथा इस्पात मंत्रालय के अंतर्गत सीपीएसई द्वारा प्रदान किए गए प्रशिक्षण का विवरण निम्नानुसार है:

संस्थान/पीएसयू का नाम	**प्रशिक्षण का प्रकार**	**प्रशिक्षित व्यक्तियों की संख्या**
		वित्त वर्ष 2019-20
एनआईएसएसटी	द्वितीयक इस्पात क्षेत्र में कौशल उन्नयन	656
आईएनएसडीएजी	इस्पात डिजाइन एवं निर्माण प्रशिक्षण	814
सीपीएसई (सेल एवं आरआईएनएल)	कर्मचारियों का कौशल उन्नयन	380
	प्रशिक्षुओं का प्रशिक्षण	3318

(ग) से (ङ): एनआईएसएसटी के पास राज्य में इस्पात उद्योग द्वारा प्रायोजित अभ्यर्थियों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए महाराष्ट्र के नागपुर में एक केन्द्र है।

****